

Saroj

Falguni Silk  
VOL-3



1001



1002



1003



1005



1004



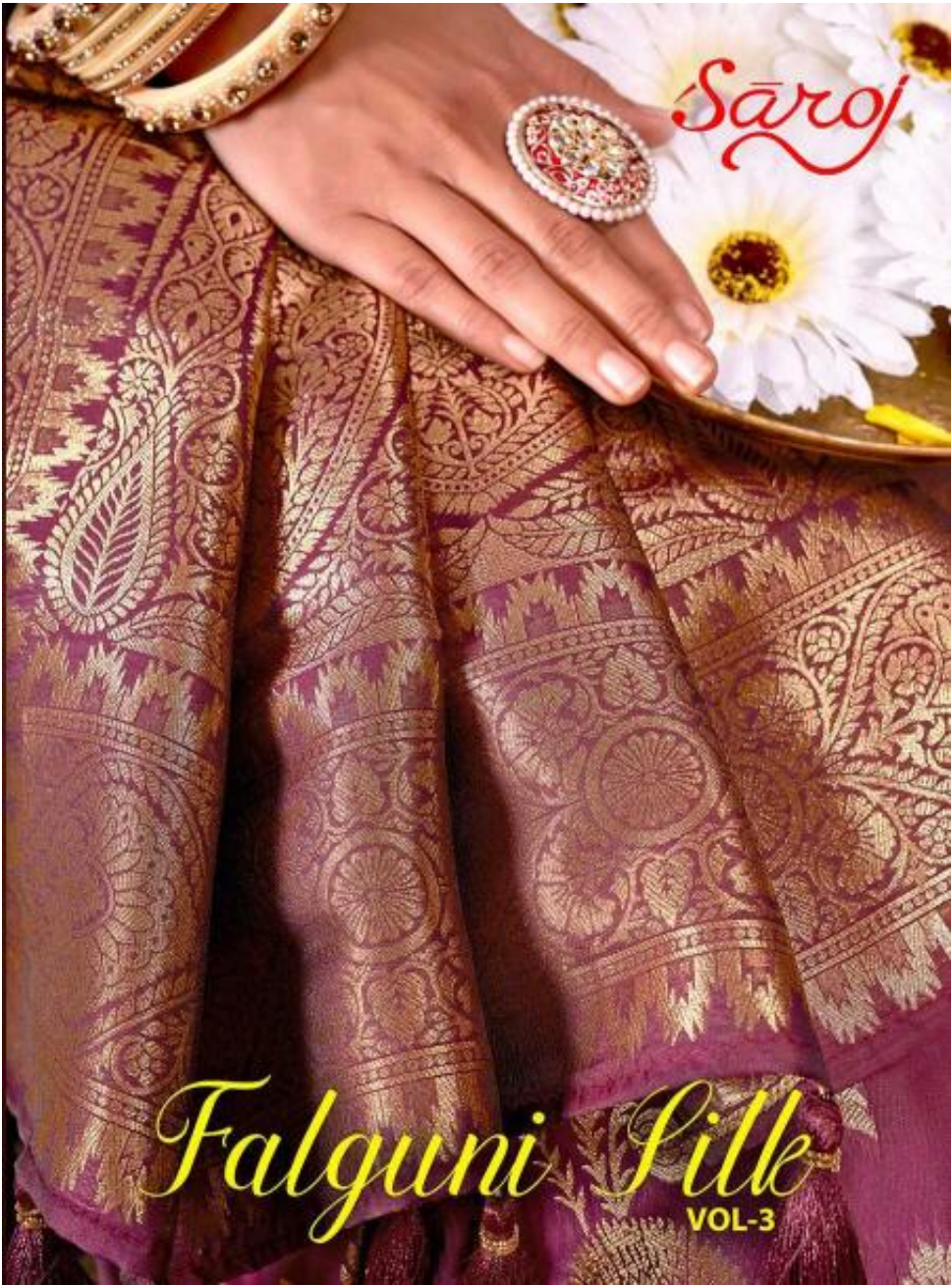
1006



सर्व मायामयं ननु सर्वं यत्तु यत्तु  
कल्पयन्ति चन्द्रो मायामयं ननु  
यत्तु ननु, यत्तु ननु यत्तु ननु यत्तु  
कल्पयन्ति चन्द्रो मायामयं ननु  
यत्तु ननु, यत्तु ननु यत्तु ननु यत्तु

Saroj





*Saroj*

*Falguni Silk*  
VOL-3